Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________
(In words)

D 2 5 1 5

PAPER - II
SANSKRIT

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **8** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

SANSKRIT

संस्कृत

PAPER - II

प्रश्नपत्रम् - II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

सूचना : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

सूचना : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत्** परिमिताः **(50)** बहु-वैकल्पिकाः प्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकम् प्रश्नस्य **अङ्कद्वयं** वर्तते। **सर्वे** प्रश्नाः समाधेयाः।

1. 'रोदसी' - पदस्य कोऽर्थः ?
   (1) अन्तरिक्षम् (2) अहोरात्रे (3) द्यावापृथिवी (4) रुद्रः

2. अधस्ताद्दत्तेषु कः वंशमण्डलेन सम्बद्धः नास्ति ?
   (1) अत्रिः (2) गौतमः (3) वामदेवः (4) विश्वामित्रः

3. पातञ्जलमहाभाष्यानुसारम् अथर्ववेदस्य शाखाः सन्ति -
   (1) 5 (2) 100 (3) 21 (4) 9

4. 'योऽसावादित्ये पुरुषः सोऽसावहम्' - इति वाक्यं कुत्र वर्तते ?
   (1) ऋग्वेदे (2) अथर्ववेदे (3) यजुर्वेदे (4) सामवेदे

5. सायणाचार्यः सर्वतः प्रथमं कं वेदं व्याख्यातवान् ?
   (1) यजुर्वेदम् (2) ऋग्वेदम् (3) सामवेदम् (4) अथर्ववेदम्

6. द्युस्थानदेवता विद्यते -
   (1) इन्द्रः (2) सूर्यः (3) विष्णुः (4) वायुः

7. 'त्रिष्टुप्'-छन्दसि कियन्तो वर्णा भवन्ति ?
   (1) 28 (2) 36 (3) 44 (4) 48

8. अश्वलायनगृह्यसूत्रम् केन वेदेन सम्बद्धम् विद्यते ?
   (1) अथर्ववेदेन (2) यजुर्वेदेन (3) ऋग्वेदेन (4) सामवेदेन

9. वाधूलश्रौतसूत्रम् कस्य वेदस्य वर्तते ?

(1) सामवेदस्य (2) कृष्णयजुर्वेदस्य (3) ऋग्वेदस्य (4) अथर्ववेदस्य

10. श्रोत्रस्थानीयं वेदाङ्गं निरूपितमस्ति –

(1) निरुक्तम् (2) शिक्षा (3) कल्पः (4) छन्दः

11. कठोपनिषदि नचिकेतसः पिता कं यागमनुष्ठितवान् ?

(1) अश्वमेधयागम् (2) सर्वमेधयागम् (3) सर्वजिद्यागम् (4) पितृमेधयागम्

12. माध्यन्दिनीयसंहितायां 'शतरुद्रीय होममन्त्राः' कस्मिन् अध्याये समुक्ताः ?

(1) अष्टादशे (2) सप्तदशे (3) पञ्चदशे (4) षोडशे

13. 'शतपथब्राह्मणस्य' आङ्ग्लानुवादः कृतो वर्तते –

(1) जी. थीबोमहोदयेन (2) जे. एग्लिंगमहोदयेन

(3) एम. विलियम्समहोदयेन (4) डब्लू. कैलेण्डमहोदयेन

14. विलुप्ता 'मौद' शाखा कस्य वेदस्य वर्तते ?

(1) सामवेदस्य (2) ऋग्वेदस्य (3) अथर्ववेदस्य (4) शुक्लयजुर्वेदस्य

15. निर्वचनसिद्धान्त-प्रतिपादकं वेदाङ्गं विद्यते –

(1) कल्पशास्त्रम् (2) छन्दःशास्त्रम् (3) शिक्षा (4) निरुक्तम्

16. सांख्यदर्शनानुसारं पुरुषस्वरूपेण सम्बद्धा उक्तिः अस्ति –

(1) रूपैः सप्तभिरेव तु बध्नात्यात्मानमात्मना। (2) पुरुषस्य दर्शनार्थं, कैवल्यार्थं तथा प्रधानस्य।

(3) तद्विपरीतस्तथा च पुमान्। (4) संसरति बद्ध्यते मुच्यते च।

17. अहंकारस्य उत्पत्तिः कुतः भवति ?

(1) महतः (2) प्रकृतेः (3) पञ्चभूतेभ्यः (4) इन्द्रियेभ्यः

18. सांख्यदर्शनानुसारं प्रमाणानां संख्या अस्ति –

(1) द्वौ (2) त्रयः (3) चत्वारः (4) षड्

19. सांख्यमते 'सत्त्वरजस्तमसां साम्यावस्था' भवति –

(1) पुरुषस्य (2) सृष्टेः (3) प्रकृतेः (4) बुद्धेः

20. अनुबन्धचतुष्टये न गण्यते –

(1) सम्बन्धः (2) विषयः (3) चैतन्यम् (4) प्रयोजनम्

21. वेदान्तसारानुसारम् 'अग्नेः' किम् उत्पद्यते ?

(1) आपः (2) पृथिवी (3) वायुः (4) आकाशः

22. 'गुरूपदिष्टवेदान्तवाक्येषु विश्वासः' किं कथ्यते ?

(1) मुमुक्षुत्वम् (2) उपरतिः (3) श्रद्धा (4) शमः

23. 'अज्ञानादिसकलजडसमूहः' इति उच्यते –

(1) वस्तु (2) अवस्तु (3) अध्यारोपः (4) समष्टिः

24. न्यायदर्शनानुसारं किं प्रमाणरूपेण न स्वीक्रियते ?

(1) अनुमानम् (2) अर्थापत्तिः (3) उपमानम् (4) शब्दः

25. 'सुखाद्युपलब्धिसाधनमिन्द्रियं' किम् ?

(1) रसना (2) घ्राणम् (3) मनः (4) चक्षुः

26. 'शक' इत्यत्र टिसंज्ञा कस्यांशस्य भवति ?

(1) 'क' इत्यस्य (2) 'श' इत्यस्य

(3) ककारोत्तरवर्तिनः अकारस्य (4) शकारोत्तरवर्तिनः अकारस्य

27. 'सखन्' इत्यत्र उपधासंज्ञा कस्य भवति ?

(1) खकारोत्तरवर्तिनः 'अन्' इत्यस्य (2) सकारस्य

(3) खकारोत्तरवर्तिनः अकारस्य (4) सकारोत्तरवर्तिनः अकारस्य

28. 'दिक्पूर्वपदादसंज्ञायां ञः' इत्यनेन किं विधीयते ?

(1) टच्-प्रत्ययः (2) ञ – प्रत्ययः (3) पुंवद्भावः (4) एकवद्भावः

29. ‘रूपवती भार्या यस्य’ इत्यस्य समस्तपदं भवति –

(1) रूपवतीभार्य: (2) रूपवतीभार्यम् (3) रूपवद्भार्य: (4) रूपवद्भार्या

30. ‘महांश्च असौ राजा’ इत्यस्य समस्तपदं भवति –

(1) महाराज: (2) महाराजम् (3) महाराजा (4) महद्राज:

31. ‘गवाम् अक्षि इव’ इत्यत्र समस्तपदमस्ति –

(1) गवाक्षी (2) गवाक्षा (3) गवाक्षम् (4) गवाक्ष:

32. उपकर्मप्रवचनीययोगे सप्तमी कस्मिन्नर्थे द्योत्येऽस्ति ?

(1) हीने (2) अधिके (3) वीप्सायाम् (4) स्वस्वामिभावे

33. अधिकर्मप्रवचनीययोगे सप्तमी कस्मिन्नर्थे द्योत्येऽस्ति ?

(1) हीने (2) अधिके (3) वीप्सायाम् (4) स्वस्वामिभावे

34. अधस्तनयुग्मेभ्य: समीचीना तालिका चेतव्या –

(a)	कर्तृकर्मणो: कृति:	(i)	युक्तयोग:
(b)	निष्ठा	(ii)	शतस्य शतं वा प्रतिदीव्यति
(c)	विभाषोपसर्गे	(iii)	वीरपुरुषको ग्राम:
(d)	अनेकमन्यपदार्थे	(iv)	जगत: कर्ता कृष्ण:

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(4)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

35. भाषाविज्ञानदृष्ट्या अर्धस्वर: क: ?

(1) य (2) श (3) च (4) ढ़

36. भाषाविज्ञानदृष्ट्या संघर्षी ध्वनि: क: ?

(1) ल (2) र (3) श (4) ट

37. धा – धातो: ‘दधाति’ इति रूपं केन भाषावैज्ञानिक-नियमेन प्रतिपाद्यते ?

(1) ग्रासमैन-नियमेन (2) ग्रिम-नियमेन (3) वर्नर-नियमेन (4) तालव्य-नियमेन

38. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(a)	हर्षः	(i)	मुद्राराक्षसम्
(b)	भवभूतिः	(ii)	कर्णभारम्
(c)	विशाखदत्तः	(iii)	उत्तररामचरितम्
(d)	भासः	(iv)	रत्नावली

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(2)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)

39. ''अहिणवमहुलोलुवो तुमं तह परिचुम्बि अ'' इत्यादिसङ्गीतं भवति –

(1) हंसपदिकायाः (2) शकुन्तलायाः (3) अनसूयायाः (4) प्रियंवदायाः

40. ''सतीमपि ज्ञातिकुलैकसंश्रयां जनोऽन्यथा भर्तृमतीं विशङ्कते –'' कस्येयमुक्तिः ?

(1) दुष्यन्तस्य (2) शारद्वतस्य (3) शार्ङ्गरवस्य (4) कण्वस्य

41. विप्रलम्भशृङ्गारः अङ्गीरसः भवति अस्मिन् काव्ये –

(1) रघुवंशे (2) मेघदूते (3) शिशुपालवधे (4) नैषधीयचरिते

42. ''कुमुदवनमपश्रि श्रीमदम्भोजखण्डम्'' – इत्यादि-पद्यं केन सम्बद्धम् ?

(1) माघेन (2) कालिदासेन (3) श्रीहर्षेण (4) भासेन

43. ''व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवं भवन्ति मायाविषु ये न मायिनः'' – इत्याद्युक्तिः किरातार्जुनीये भवति –

(1) अर्जुनस्य (2) युधिष्ठिरस्य (3) द्रौपद्याः (4) वनेचरस्य

44. 'श्रीकण्ठपदलाञ्छनः पदवाक्यप्रमाणतत्त्वज्ञः' इति केन सम्बद्धम् ?

(1) भासेन (2) भवभूतिना (3) श्रीहर्षेण (4) अश्वघोषेण

45. ''अमृतेनेव संसिक्ताः चन्दनेनेव चर्चिताः' – इत्युक्तिः कं लक्षयति ?

(1) भासम् (2) बाणभट्टम् (3) शूद्रकम् (4) कालिदासम्

46. लौकिकानां हि साधूनामर्थं वागनुवर्तते।

ऋषीणां पुनराद्यानां वाचमर्थोऽनुधावति।। - उत्तररामचरिते कस्येयमुक्तिः ?

(1) अष्टावक्रस्य (2) लक्ष्मणस्य (3) शम्बूकस्य (4) रामस्य

47. ''वाक्यं रसात्मकं काव्यम्'' - इत्यत्र रसमध्ये कस्य ग्रहणं कृतम् -

(1) केवलं रसस्य (2) केवलं भावस्य

(3) केवलं रसाभासस्य (4) रस - भाव - तदाभासादीनाम्

48. साहित्यदर्पणे साकल्येन लक्षणायाः कति भेदाः स्वीकृताः ?

(1) षोडश (2) चतुर्विंशतिः (3) अशीतिः (4) अष्टचत्वारिंशत्

49. ''श्रवणाद्दर्शनाद्वापि मिथः संरूढरागयोः

दशाविशेषो योऽप्राप्तौ __________ स उच्यते।। रिक्तस्थानं साहित्यदर्पणतः पूरयत।

(1) पूर्वरागः (2) मानः (3) प्रवासः (4) करुण-विप्रलम्भः

50. साहित्यदर्पणानुसारं फलावाप्तौ अतित्वरान्वितः व्यापारः भवति -

(1) आरम्भः (2) नियताप्तिः (3) प्राप्त्याशा (4) प्रयत्नः

- o 0 o -

Space For Rough Work